



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 605]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 8, 1993/आश्विन 16, 1915

No. 605]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 8, 1993/ASVINA 16, 1915

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1993

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(निम्नांकक) नियम, 1993

का. आ. 766(अ) :— केन्द्रीय सरकार भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निम्नांकक) नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ :— इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है ;

(ख) "नियम निकाय" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 2 के खंड (7) में यथा परिभाषित कोई नियम निकाय अभिप्रेत है ;

(ग) "प्रमाणपत्र" से विनियमों के अधीन बोर्ड द्वारा दिया गया या नवीकृत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्रेत है ;

(घ) "निर्गमन" से अभिप्रेत है किसी निगम निकाय या किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा यथास्थिति अपनी या उसकी या उनकी ओर से जनता या ऐसे निगम निकाय की प्रतिभूतियों के धारकों या व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह को प्रतिभूतियों के विक्रय की प्रस्थापना ;

(ङ) "विनियमों" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निम्नांकक) विनियम, 1993 अभिप्रेत है ;

(च) "निम्नांकक" से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो किसी निगम निकाय की प्रतिभूतियों के निर्गमन के निम्नांकक के कारबार में लगा हुआ है ;

(छ) "निम्नांकक" से किसी निगम निकाय की प्रतिभूतियों में सशर्त या शर्तों के बिना अभिप्राय करने का करार करना अभिप्रेत है जब ऐसे निगम निकाय के विद्यमान शेयर धारक या जनता उन्हें प्रस्तावित प्रतिभूतियों में अभिप्राय नहीं करती है।

3. प्रमाणपत्र के बिना निम्नांकक के रूप में कार्य न करना :—

(1) कोई भी व्यक्ति निम्नांकक के रूप में तब तक कार्य नहीं करेगा जब तक कि उसके पास विनियमों के अधीन बोर्ड द्वारा दिया गया प्रमाणपत्र न हो :

परन्तु ऐसा व्यक्ति, जो अधिनियम के प्रचुर होने से पूर्व निम्नांकक के रूप में लगा हुआ था, यदि उस पर अधिनियम का धारा 12 का उप-धारा (1) के प्रचुर के अन्तर्गत ऐसे रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया है तो ऐसे आवेदन के निराकरण के लिए निम्नांकक के रूप में क्रियाकलाप करना रद्द रहेगा।

(2) अधिनियम (1) के अन्तर्गत या के तहत हुए या प्रवेश प्राप्त या प्राप्त या मूकित बैंकर और अधिनियम का धारा 12 के अधीन नियमित रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र धारक है, निम्नांकक निम्नांककों के लिए या या नियमों और विनियमों द्वारा शासित होंगे, एक प्रमाणपत्र अधिप्राप्त किए बिना निम्नांकक के रूप में कार्य करने के लिए दंड्यार होगा।

4 निम्नांकक को प्रमाणपत्र देने या उनके नवीकरण को शर्तों—
बोर्ड निम्नांकक शर्तों के अधीन रहें हुए निम्नांकक को प्रमाणपत्र दे सकेंगे या उसका नवीकरण कर सकेंगे ; अर्थात् —

(क) प्राप्ति और गठन में कितने परिवर्तन की दशा में निम्नांकक, निम्नांकक के रूप में कार्य करना जारी रखने के लिए बोर्ड की पूर्व अनुज्ञा अधिप्राप्त करेगा ;

(ख) कितनी अन्य विधि के अधीन वादनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना निम्नांकक ऐसे निगम निगम के साथ जिसकी ओर से वह निम्नांकक के रूप में कार्य कर रहा है, एक विनिर्माण करार करेगा और उस करार, अन्य बातों के साथ-साथ उसके और ऐसे निगम निगम के साथ कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों का आवेदन परिभाषित कर सकेंगे ;

(ग) वह विनियमों में उल्लिखित रीति में रजिस्ट्रेशन को फॉस को रकम का संसाध करेगा ; और .

(घ) वह निम्नांकक के रूप में अपने द्वारा किए गए क्रियाकलापों की वास्तविक अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों का अनुपालन करेगा।

5 प्रमाणपत्र की विधि-माप्यता की अवधि :—यथास्थिति रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र या उसका नवीकरण निम्नांकक को जारी किए जाने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए विधि-माप्य होगा।

[फा. स. 20/4/ एस ई-93]

पी० जे० नायक, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th October, 1993

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

(UNDERWRITERS) RULES, 1993

S.O. 766(E).—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Securities and Exchange Board of India Act 1992. (15 of 1992) the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Securities and Exchange Board of India (Underwriters), Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires:—

(a) "Act" means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) ;

(b) "body corporate" means a body corporate as defined in clause (7) of section 2 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) ;

(c) "certificate" means a certificate of registration granted or renewed by the Board under the regulations ;

(d) "issue" means an offer of sale of securities by any body corporate or by any other person or group of persons on its or his or their behalf, as the case may be, to the public, or, the holders of securities of such body corporate or person or group of persons ;

(e) "regulations" means the Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Regulations 1993 ;

(f) "underwriter" means a person who engages in the business of underwriting of an issue of securities of a body corporate ;

(g) "underwriting" means an agreement with or without conditions to subscribe to the securities of a body corporate when the existing shareholders of such body corporate or the public do not subscribe to the securities offered to them.

3. Not to act as underwriter without certificate.—

(1) No person shall act as underwriter unless he holds a certificate granted by the Board under the regulations :

Provided that such person, who was engaged as underwriter prior to the coming into force of the Act, may continue to carry on activity as underwriter if he has made an application for such registration under the proviso to sub-section (1) of section 12 of the Act till the disposal of such application.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) every stock broker or merchant banker holding a valid certificate of registration under section 12 of the Act, shall be entitled to act as an underwriter without obtaining a separate certificate for underwriting activities which shall be governed by these rules and regulations.

4. Conditions for grant or renew of certificate to underwriter.—The Board may grant or renew a certificate to an underwriter subject to the following conditions, namely :—

- (a) in case of any change in the status and constitution, the underwriter shall obtain prior permission of the Board to continue to act as underwriter ;
- (b) without prejudice to the obligations under any other law, the underwriter shall enter into a valid agreement with the body corporate on whose behalf he is acting as underwriter and the said agreement amongst other things may define the allocation of

duties and responsibilities between him and such body corporate; and

- (c) he shall pay the amount of fees of registration in the manner provided in the regulations ;
- (d) he shall abide by the rules and regulations made under the Act in respect of the activities carried on by him as an underwriter.

5. Period of validity of certificate.—The certificate of registration or its renewal, as the case may be, shall be valid for a period of three years from the date of its issue to the underwriter.

[No. S./20/4/SE/92]

P. J. NAYAK, Jt. Secy.

